ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860, **टेलीग्राम:** रेलपथ
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेबसाइट : www.iricen.indianrailways.gov.in

वर्ष – 15 | अंक – 60 | अक्टूबर – दिसंबर 2011

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

इस अंक में

1. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार
2. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार
3. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
4. उप मुख्य इंजीनियर/डिजाइन के लिए वर्कशॉप
5. सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 113वीं बैठक
7. निकट भविष्य में आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
8. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता प्राप्त अधिकारी
9. हिंदी शिक्षण योजना, पुणे में प्रशिक्षण
10. सृजन

संपादकीय

ज्ञानदीप के 15वीं वर्ष का यह आखिरी अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार प्रसन्नता हो रही है। वर्ष के प्रारंभ में पाठ्यक्रम कैलेंडर के अनुसार आयोजित कार्यक्रमों के अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण आयोजन किए गए। इनमें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन एवं रेल सप्ताह शामिल है। संस्थान में राजभाषा सप्ताह का व्यापक आयोजन किया गया और राजभाषा कार्यान्वयन समिति की नियमित बैठकें की गईं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में इरिसेन को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इनके अलावा इस वर्ष संस्थान में भिन्न–भिन्न तकनीकी विषयों पर सेमिनार का आयोजन किया गया। ज्ञानदीप के माध्यम से हम आपको इन कार्यक्रमों से निरंतर अवगत कराते रहे हैं। वर्ष 2012 में भी इरिसेन रेलवे इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा और हम आपको इन विषयों से निरंतर अवगत करवाते रहेंगे। आपकी प्रतिक्रिया एवं अमूल्य सुझाव की प्रतीक्षा सदैव है।

मुख्य संपादक

1. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार



प्रधान मुख्य इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 24 से 25 नवंबर, 2011 तक प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। श्री आर. रामनाथन, अपर सदस्य सिविल इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने सेमिनार में हिस्सा लिया तथा अपने संबोधन में विभिन्न विषयों पर अपने अनुभवों के बारे में प्रतिभागियों को बताया एवं विचार विमर्श में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। सेमिनार में कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए : प्रधान मुख्य इंजीनियर, उत्तर मध्य रेल, इलाहाबाद द्वारा ''फेल्योर ऑफ टंग रेल,''

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
नीलमणि
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

उप मुख्य इंजीनियर, ट्रैक मशीन, दक्षिण रेल द्वारा ''न्यू यूएसएफडी टेकनीक डेवलप्ड बाय आईआईटी, मद्रास,'' प्रधान मुख्य इंजीनियर, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा ''ट्रैक मेन्टेनेन्स ऑफ नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे, प्रधान मुख्य इंजीनियर, नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) द्वारा ''एलिमिनेशन ऑफ लेवल क्रॉसिंग बाय कट एंड कवर मेथड इन डबल लाईन सेक्शन,'' मुख्य इंजीनियर, ट्रैक मशीन, दक्षिण मध्य रेल द्वारा ''वर्किंग ऑफ रेल ग्राइंडिंग मशीन,'' इत्यादि। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की खूब सराहना की गई।

2. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार



मुख्य पुल इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 08 से 09 नवंबर, 2011 तक मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों से 20 मुख्य पुल इंजीनियरों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का शुभारंभ निदेशक, इरिसेन के स्वागत भाषण से हुआ उसके पश्चात कार्यकारी निदेशक (सि.इंजी.) पुल एवं संरचना, रेलवे बोर्ड के श्री आलोक रंजन ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की और प्रतिभागियों को अपने अनुभव बताए। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए : AKZO नोबेल इंडिया लिमिटेड द्वारा ''ऐक्रेलिक पॉली–सिलीऑक्सॉन बेस्ड कोटिंग'', SRMB स्रीजन लिमिटेड, कोलकाता द्वारा जिंक रिच हाई परफॉरमेन्स कोटिंग, Corrkil सॉल्यूशन (आई), प्रायवेट लिमिटेड, नोएडा द्वारा को–पॉलिमेरिक ऐरोमेटिक बेस्ड कोटिंग, मेसर्स SIKA लिमिटेड द्वारा ''रिट्रोफिटिंग ऑफ कंक्रीट ब्रिज'', वरिष्ठ प्राध्यांपक पुल–I इरिसेन द्वारा ''एलडब्युआर ऑन ब्रिज'' इत्याादि। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की भरपूर प्रशंसा की गई।

3. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार

इरिसेन में दिनांक 13 से 14 अक्टूबर, 2011 तक मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। दिनांक 14 अक्टूबर, 2011 को अपर सदस्य (सिविल इंजीनियरिंग), रेलवे बोर्ड ने सेमिनार में हिस्सा लिया तथा विभिन्न विषयों पर अपने अनुभव के बारे में प्रतिभागियों को बताया एवं चर्चा सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। 80वीं रेलपथ मानक समिति के लंबित मदों की समीक्षा भी उनकी उपस्थिति में की गई। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए: श्री



मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

राजीव धनखर, निदेशक, टीएमएस, रेलवे बोर्ड द्वारा ''टीएमएस'', श्री मनोज अरोरा, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ–I इरिसेन द्वारा ''प्रपोज्ड यूनिफाईड एसओआर फॉर पी–वे आइटम,'' श्री आर.के.मीना, मु.रेलपथ इंजी.. प.म.रे. द्वारा ''क्रैकिंग ऑफ सीएमएस क्रॉसिंग,'' श्री मुकेश गर्ग, मु.रेलपथ इंजी.., उ.म.रे. ''फ्रैक्चर ऑफ टंग रेल,'' श्री नवीन चोपड़ा, ई डी टी के (पी), रेलवे बोर्ड द्वारा ''यूएसएफडी ऑफ टंग रेल,'' श्री एन.के.गर्ग, मु.रेलपथ इंजी. प.रेल द्वारा ''मैनेजमेंट ऑफ वेल्ड'' तथा अपना टेक्नॉल्जिज एंड सॉल्यूशन प्रायवेट लिमिटेड द्वारा "WILD" इत्यादि।

4. उप मुख्य इंजीनियर (डिजाइन) के लिए वर्कशॉप



उप मुख्य इंजीनियर (डिजाइन) के वर्कशॉप का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 07 एवं 08 दिसंबर, 2011 को उप मुख्य इंजीनियर(डिजाइन) के लिए वर्कशॉप आयोजित किया गया। वर्कशॉप में भिन्न –भिन्न संरचनाओं के डिजाइन पहलू पर विस्तार से विचार–विमर्श किए गए। इसके साथ–साथ निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए : श्री अशोक कुमार उप मुख्य इंजीनियर, डिजाइन, दक्षिण रेल द्वारा ''डिजाइन आस्पेक्ट ऑफ कंपोजिट गर्डर्स,'' श्री चेतन बख्शी, रेल संरक्षा आयुक्त, मध्य परिमंडल, मुंबई द्वारा ''डिजाइन रिलेटेड इशु इन रेस्पेक्ट ऑफ सीआरएस सेक्शन,'' श्री अजय गोयल, वरिष्ठ प्राध्यापक पुल–I, इरिसेन, पुणे द्वारा ''एलडब्युआर ऑन ब्रिज,'' श्री ए.के.जैन, मुख्य इंजीनियर, एमवीआरसी, मुंबई द्वारा ''प्रैक्टिकल आस्पेक्ट इन डिजाइनिंग ऑफ ब्रिज फॉर प्रोजेक्ट,'' श्री मूर्ति राजू, उप मुख्य इंजीनियर, पी एंड डी, दक्षिण मध्य रेल द्वारा ''डिजाइन रिलेटेड इशु इन कंस्ट्रक्शन ऑफ आरओबी/आरयूबी''। इसके अलावा कार्यसूची मदों एवं उप मुख्य इंजीनियर (डिजाइन) द्वारा उठाए गए मामलों पर चर्चा की गई। कार्यशाला अत्यंत सार्थक एवं सफल रही।

5. सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन



संकाय अध्यक्ष एवं संकाय सदस्य तथा कर्मचारी गण प्रतिज्ञा लेते हुए

संस्थान में दिनांक 31 अक्टूबर से 04 नवंबर, 2011 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया गया। सतर्कता जागरुकता सप्ताह के प्रारंभ में दिनांक 31 अक्टूबर, 2011 को 11.00 बजे संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कर्तव्य के प्रति जागरूकता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए प्रतिज्ञा ली गई ।



भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं पारदर्शिता लाने हेतु चर्चा सत्र का दृश्य

दिनांक 04 नवंबर, 11 को सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अवसर पर निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल की अध्यक्षता में सभी संकाय सदस्यों के साथ रेल के कार्यों में भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं पारदर्शिता लाने हेतु किए जाने वाले पूर्वोपाय पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। श्री तायल ने चर्चा के दौरान रेल प्रणाली के कुछ महत्वपपूर्ण हिस्सों पर भ्रष्टाचार रोकने में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। ''सतर्कता सहभागिता'' पर विशेष तौर पर वैचारिक मंथन किया गया। इस विषय पर संकाय सदस्यों ने अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए। चर्चा सार्थक रही। उपरोक्त अवसर पर मध्य रेलवे से प्राप्त सतर्कता संबंधी पोस्टर प्रचार हेतु इस कार्यालय के मुख्य प्रांगण, ग्रंथालय, प्रयोगशाला एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाए गए।

6. राजभाषा कार्यान्वायन समिति की 113वीं बैठक

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 113वीं बैठक दिनांक 17 नवंबर, 2011 को श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। राजभाषा की प्रगति पर अपने विचार व्यक्त किए उन्होंने बताया कि तकनीकी क्षेत्र में हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष संस्थान में राजभाषा सप्ताह धूम–धाम से मनाया जाता है जिसमें प्रतियोगिताएं, रोचक एवं मनोरंजक कार्यक्रम किए जाते हैं। बोलचाल की



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 113वीं बैठक का दृश्य

सरल भाषा में काम करने का हमारा प्रयास संस्थांन के दैनिक कार्यों में स्पष्ट दिखाई देता है।

संस्थान में प्रशिक्षण कार्य में उपयोग आनेवाले प्रशिक्षुओं के लिए पहचान–पत्र, लैपल कार्ड, पीसीडीओ, टाइम–टेबल, कॉल लेटर, रिमाइंडर इत्यादि द्विभाषी ही जारी होते हैं। आवश्यक तकनीकी सामग्रियों के हिंदी रुपांतरण का कार्य भी संस्थान में निरंतर जारी रहता है। इसी क्रम में प्रत्येक वर्ष स्थापना दिवस के अवसर पर संस्थान से हिंदी में प्रकाशित पुस्तकें या फिल्मों का विमोचन किया जाता है। राजभाषा की प्रगति को बनाए रखने में सदस्यों के सहयोग की आपने सराहना की। इस प्रकार से बैठक सार्थकतापूर्ण उद्देश्यों के साथ संपन्न हुई।

7. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	11435	रिट्रो फिटिंग्स ऑफ ब्रिज एंड स्ट्रक्चर	19/12/2011	23/12/2011
2	11436	मॉडर्न सर्वेइंग पर विशेष पाठ्यक्रम	26/12/2011	30/12/2011
3	11709	आईआरटीएस (परि.) एवं एएससी (परि.) के लिए जागरूकता पाठ्यक्रम	08/11/2011	09/11/2011
4	11604	वरिष्ठ अधीनस्थों एवं प्रशिक्षकों (कार्य एवं मॉडयुल) के लिए विशेष पाठ्यक्रम	02/01/2012	13/01/2012
5	12001	IRSE (P) 2010 परीक्षा बैच, चरण–I (पी) पाठ्यक्रम	09/01/2012	01/03/2012
6	12002	IRSE (P) 2010 परीक्षा बैच, चरण–I (क्यू) पाठ्यक्रम	27/02/2012	19/04/2012
7	12201	वरि.प्र.श्रेणी के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	16/01/2012	24/02/2012
8	12205	वरिष्ठ व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम	06/02/2012	17/02/2012
9	12301	पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप पर विशेष पाठ्यक्रम	08/02/2012	10/02/2012
10	12701	जागरूकता पाठ्यक्रम	13/02/2012	17/02/2012
11	11313	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण का सेमिनार	01/03/2012	02/03/2012
12	12402	रेल ग्राइंडिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	12/03/2012	14/03/2012
13	12403	रेल ग्राइंडिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	13/03/2012	15/03/2012
14	12603	प्रशिक्षकों (वर्क्स एवं ब्रिज) के लिए प्रशिक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	05/03/2012	16/03/2012

8. समेकित पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण में उत्कृष्टता प्राप्त अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 11106 का परिणाम

प्रथम : श्री पवन कुमार बंसल, AXEN(C) SIKAR / N.W.Rly
द्वितीय : श्री सुधीर कुमार, ADEN, BANJURAA/S.E.Rly
तृतीय : श्री मुकेश कुमार शर्मा, ADEN,GUJRAT /W. Rly

9. हिंदी शिक्षण योजना, पुणे में प्रशिक्षण

हिंदी शिक्षण योजना, पुणे शाखा के प्रशिक्षण केंद्र में इरिसेन के श्री विजय कुमारन, निजी सचिव, ग्रेड–II ने हिंदी आशुलिपि परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। श्री रोहिदास जागड़े, कार्यालय अधीक्षक, स्थापना अनुभाग एवं श्री आनंद कांबले, प्रवर लिपिक, अनुरक्षण अनुभाग ने हिंदी शब्द संशाधन/टायपिंग परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण कर ली है। इन कर्मचारियों को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन एवं पुरस्कार योजना के तहत नियमानुसार वेतनवृद्धि दी जाएगी।

इसके साथ ही, उक्त हिंदी शिक्षण योजना में संस्थान के दो कर्मचारी श्री कालिदास उमाजी, प्रयोगशाला परिचर एवं श्री पापा दादू मोरे, झेराक्स ऑपेरटर ने हिंदी भाषा में प्रवीण कक्षा का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, संस्थान को उनके परीक्षा परिणाम अपेक्षित हैं।

10. सृजन

कितने नववर्ष

सभी पाठकों को नववर्ष 2012 की शुभकामनाएं।

हर बार नए साल के अवसर पर लोग नए संकल्प, नई उमंग और उम्मीदों तथा खुशी के साथ इसका स्वागत करते हैं। एक रोचक तथ्य यह है कि दुनिया भर में अनेक संस्कृतियों की तरह नववर्ष भी अनेक हैं। अपने भारत में ही विभिन्न क्षेत्रों के लोग करीब 15 अलग– अलग नववर्ष मनाते हैं।

एक जनवरी को मनाया जानेवाला नववर्ष दरअसल **ग्रेगोरियन** कैलेंडर पर आधारित है। पश्चिमी देशों में भी पहले अलग–अलग कैलेंडर होते थे पर अब ज्यादातर देश ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी को नया साल मनाते हैं।

भारत में सर्वाधिक प्रचलित कैलेंडर संवत विक्रम और संवत शक है। माना जाता है कि गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में विक्रम संवत शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तरांचल राज्यों में नववर्ष मनाया जाता है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक में उगादी, महाराष्ट्र में गुडीपाड़वा, कश्मीर में नवरेह, हिमाचल प्रदेश में चैती या बीसू, मणिपुर में चेइरूबा और सिंधी समाज द्वारा चेती–चंद्र के रूप चैत्र माह के पहले दिन नव वर्ष मनाया जाता है। भारत के कई क्षेत्रों में 13-15 अप्रैल को नववर्ष मनाया जाता है। 14-15 अप्रैल को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में पोइला–बैशाख के नाम से और सिख समुदाय में 13-14 अप्रैल को वैसाखी के नाम से नववर्ष मनाया जाता है। असम में बोहागबिहू, तमिलनाडु में पुथांदु, उड़ीसा में महा विशुबा संक्राति और केरल में विशु के नाम से 14 अप्रैल को नववर्ष मनाए जाते हैं।

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। इसी तरह पारसी–समुदाय नवरोज मनाते हैं जो सामान्यत: 21 मार्च को होता है। चीन, हांगकांग, मलेशिया, सिंगापुर, ताइवान और थाईलैंड जैसे चीनी बहुल देशों में 21 जनवरी से 20 फरवरी के बीच नया वर्ष मनाया जाता है। बौद्ध–बहुल देश जैसे श्रीलंका, कंबोडिया, म्यांमार में 7 अप्रैल को नववर्ष मनाते हैं।

नववर्ष चाहे किसी भी दिन मनाया जाए, उद्देश्य एक ही रहता है– पुरानी गलतियां और असफलताओं को भुला कर नए सिरे से एवं नए जोश के साथ नए साल की शुरुआत की जाए। आप सबके इस प्रयास में इरिसेन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

सौजन्य श्री नीलमणि,
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रा.रेलपथ

संघर्ष.....

जीवन में संघर्ष नितांत आवश्यक है इसका एक उदाहरण इस प्रकार है कि एक व्यक्ति को तितली का एक कोया मिला। उसने उसे बड़े इत्मीनान से सुरक्षित रख दिया। रोज उसे बड़े ध्यान से देखता। एक दिन उस कोये में एक छोटा सा छेद दिखाई पड़ा। उसने देखा कि एक तितली उस कोये में से निकलने के लिए बहुत संघर्ष कर रही है, परंतु निकलने में सफल नहीं हो पा रही है। वह घंटों उसे संघर्ष करते देखता रहा। उसे लगा कि बेचारी तितली थक गई है, क्योंकि उस व्यक्ति को तितली के इतने परिश्रम के बाद भी कोई प्रगति नजर नहीं आ रहा था। तितली थक कर बैठ गई थी उसमें किसी प्रकार का हलचल नजर नहीं आ रहा था। व्यक्ति ने सोचा मुझे तितली की मदद करनी चाहिए। उसने कैंची ली और कोये के शेष भाग को काट डाला। तितली सुगमता से बाहर आ गई। परंतु उस व्यक्ति को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि तितली का पूरा शरीर सूजा हुआ था और उसके पंख छोटे एवं सिकुड़े हुए थे। वह उड़ भी नहीं पा रही थी। व्यक्ति करूणा एवं त्वरित कार्रवाई दोनों के कारण यह नहीं समझ सका कि वह सख्त कोया और तितली द्वारा उसमें से निकलने के लिए किया जाने वाला संघर्ष प्रकृति का तरीका था, ताकि तितली के तन से रक्त या द्रव तितली के पंख की ओर बहे और वे इतने शक्तिशाली हो सकें कि उनकी सहायता से कोये के बाहर आते ही वह उड़ने में समर्थ हो सके। परंतु ऐसा न हो सका। तितली की तरह ही मानव को भी कभी–कभी जीवन में संघर्ष की आवश्यकता होती है। गौरतलब है कि संघर्ष के अभाव में हमारी शक्तियां अविकसित रह जाती हैं। यदि ईश्वर ऐसी व्यवस्था कर देता कि हमारा जीवन बिना अवरोधों अथवा रूकावटों के सरलता से चलता रहता तो हम भी पंगु रह जाते। सफलता के लिए संघर्ष आवश्यक है और संघर्ष से प्राप्त सफलता में ही आनंद का अनुभव होता है। इति.....

अरुणाभा ठाकुर

संसार में कठिन परिस्थितियों के आने के पश्चात जो व्यक्ति साहस और धैर्य अपनाए रखता है, वह कठिनाइयों पर काबू पा लेता है।

– महात्मा गांधी

नीलमणि, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design at Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080